लखनऊ से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

website: www.pawanprawah.com

पवन प्रवाह

सत्य का प्रवाह सतत् प्रवाह

डाक पंजीयन संख्या GPO LW/NP-106/2015-17

वर्ष 03 अंक 49 लखनऊ। सोमवार 28 से 03 सितम्बर-2017

e-mail-pawanprawah@gmail.com

मूल्य : तीन रूपये पृष्ठ-16

प्राणिक ऊर्जा : विशिष्ट उपचार

लेखक डॉ. भरत राज सिंह
स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज के महानिदेशक एवं वैदिक विज्ञान केन्द्र के अध्यक्ष हैं

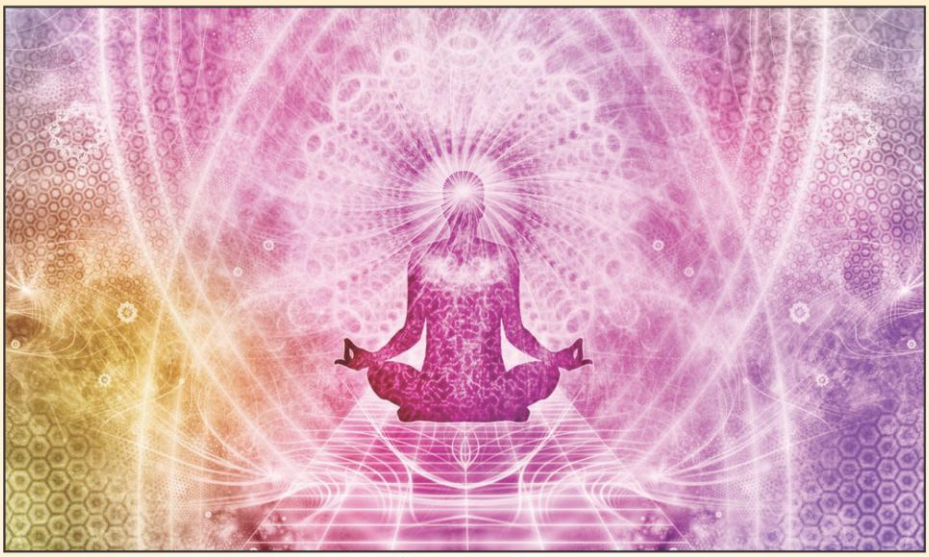

गतांक से आगे...

(भाग-14)

पिछले 14-अंकों में हमने भौतिक शरीर में ऊर्जा का संचार व उससे उत्पन्न ऊर्जा (आभा), जो भौतिक शरीर के कुछ क्षेत्र तक प्रभावी रहती है तथा प्राण के स्रोत, रंग प्राण व उसमें मुख्यतः प्राणिक ऊर्जा (शक्ति) किसे कहते हैं व क्या लाभ हैं, भौतिक शरीर मे चक्रों का क्या महत्व है व इससे शरीर की ऊर्जा का संतुलन कैसे प्रभावी होता है, उर्जा (आभा) के परत, उनका महत्व और उससे शारीरिक स्वास्थ्य में, क्या लाभ होगा, तथा शारीरिक रोगों के निदान में प्राणिक उपचार (हीलिंग), ऊर्जा कैसे अपने शरीर मे बुलाये, उसकी क्या विधि है, ऊर्जा को बुलाने अथवा संग्रह के उपरान्त का अनुभव और शरीर के मुख्यकेन्द्रों में ऊर्जा के सात चक्रों को जाग्रित करने के बारे में तथा मौलिक उपचार के लिए स्तर-I व विशिष्ट उपचार स्तर-II में प्रत्यक्ष ऊर्जा के लिए विजुअलाइज़ेशन व अवरुद्ध चक्र की जानकारी से पूर्णतः अवगत हुये थे। इस अंक में, विशिष्ट उपचार स्तर-II के विषय मे जागरूकता और स्वास्थ्य के अंतर्गत औरिक ऊर्जा की अशुद्धिया, ऊर्जा में कमी तथा ऊर्जा प्रवाह में गड़बड़ी को बताया गया है।

औरिक ऊर्जा की अशुद्धिया: औरिक ऊर्जा की अशुद्धता, आभा परतों पर, आपके रोगी के शरीर, भावनाओं, मन और आत्मा में बीमार परिस्थितियों से संबंधित होती है। 1 परत पर, वे भौतिक आघात या शरीर के अंदर बीमार स्वास्थ्य की बचे हुयी ऊर्जावान स्थितियों के हो सकते हैं। दूसरी या तीसरी परतों पर वे अस्वस्थ नकारात्मक भावनाओं या नकारात्मक विचार-स्वरूपों के पैटर्न होते हैं जो आपके रोगी द्वारा एकत्रित किए जा रहे हैं। यह आपके मरीज के आघात या मनोवैज्ञानिक मुद्दों और नकारात्मक भावनाओं और विश्वासों की अन्यथा बची हुए जिंदगी में एकत्रित हुये हैं। उच्च परतों पर, ये दोष आपके रोगी की आध्यात्मिक स्थिति को प्रभावित करते हैं। अक्सर, एक परत पर मौजूद अशुद्धियों को अन्य परतों पर अभी तक एक ही सामान्य क्षेत्र पर आक्षादित होने के साथ निकटता से जोड़ा जाएगा। उदाहरण के लिए-प्रेम की अभिव्यक्ति में हस्तक्षेप करने वाली चौथवीं परत पर मौजूद दोष, तीसरी परत पर नकारात्मक से संबंधित नकारात्मक स्वय और अन्य के बारे में विचार, कोर नकारात्मक भावनाओं के अनुरूप दूसरी परत पर दोष और पहली परत पर अस्वास्थ्यकर ऊर्जा जो शारीरिक बीमारी या बीमारी का कारण है। कभी-कभी अस्वास्थ्यकर ऊर्जा जो आपके रोगी के ऊर्जा क्षेत्र पर बाहर अन्य लोगों से आक्रमण करते हैं, वे आपके रोगी ने अपने ऊर्जा क्षेत्र में उत्पन्न होने वाली इन औरिक ऊर्जा दोषों में योगदान कर उन्मूलन कर सकते हैं।

औरिक ऊर्जा दोष आमतौर पर जो रोगियों पर पाए जाते हैं, वे आम तौर पर शरीर के सामने-सिर, चेहरे, गर्दन, कंधों, छाती, निचले पेट या कूल्हों के आसपास दिखाई देते हैं। वे कभी-कभी एक या अधिक चक्रों पर पाए जाते हैं-अक्सर चौथे, सातवें या दूसरी यह पता लगाने में सक्षम होने के लिए बहुत ही वांछनीय है और फिर रोगी की आभा से इन अस्वास्थ्यकर और हानिकारक ऊर्जा को हटा देने मे सहयक होते हैं और इन दोषपूर्ण ऊर्जा को हटाने, चक्रों के अवरोध के साथ संयोजन में, आपके रोगी के लिए बहुत अधिक भावनात्मक और मानसिक समाशोधन प्रदान करता है।

14.1 ऊर्जा में कमी: ऊर्जा क्षेत्र की समग्र ऊर्जा (वैश्विक ऊर्जा) में ऊर्जा की कमी एक कमजोरी है, जो ऊर्जा क्षेत्र को जीवंत स्वास्थ्य देने और पर्याप्त रूप से आपके रोगी की जीवन प्रक्रिया को सभी स्तरों पर समर्थन देने के लिए पर्याप्त ऊर्जा की कमी दर्शाता है। यह आमतौर पर आभा के सभी परतों पर पूरे आभा पर कमी या कम ऊर्जा की स्थिति के रूप में प्रकट होता है। कुछ कमजोर चक्र भी मौजूद हो सकते हैं जिनका अलग से अद्धयन किया जायेगा और इसे आप प्राणिक ऊर्जा स्तर III में सीखेंगे।

जब आपके रोगी के ऊर्जा क्षेत्र में जीवन शक्ति की ताकत में बहुत कमी हो जाती है, शरीर, भावनाएं और दिमाग, उनको चलाने में कम जुड़ाव रखते हैं और आपके रोगी को अकेले इस कमजोर ऊर्जा से बीमारियों और विभिन्न प्रकार के दुःखों की अधिक संभावना होती है। कमजोर प्राकृतिक ऊर्जा की यह स्थिति भी, ऊर्जा के बाहर अस्वास्थ्यकर ऊर्जा के क्षेत्र पर, जो भी कमजोर हैं, आक्रमण करने के लिए बहुत आसान बनाता है। अस्वस्थ बाहरी ऊर्जा अक्सर आभा परतों में खुद को जोड़ती है और उनके माध्यम से फ़िल्टर करती है और अंततः इनमें से कुछ चक्रों को भी प्रभावित करती है। स्वस्थ व सुरक्षात्मक कार्य आम तौर पर एक मजबूत आभा में खो जाता है। यह न केवल व्यक्तिगत रूप में कम स्वास्थ्य की स्थिति को दर्शाता है, बल्कि शारीरिक, भावनात्मक या मानसिक रूप से गंभीर बीमारी के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण कारण हो सकता है। यहां तक कि जब गंभीर बीमारी अभी तक मौजूद नहीं है, ऊर्जा कम करने से, अगर इलाज भी नहीं छोड़ा जाता है, तो भी अंत में गंभीर बीमारी पैदा होने की इससे काफी अधिक संभावना होगी। ऊर्जा घटने की यह स्थिति न केवल पूरे ऊर्जा क्षेत्र में हो सकती है बल्कि कभी-कभी कुछ शारीरिक क्षेत्रों पर स्थानीय भागों में भी हो सकती है। इस स्थिति की कमी, कभी-कभी पैरों या भुजाओं पर पायी जा सकती है। इसे अधिक सामान्य और अधिक गंभीर से अलग करने के लिए समग्र या वैश्विक ऊर्जा की कमी को स्थानीय ऊर्जा की कमी कहा जाता है। यह स्थानीय ऊर्जा कमजोरियों को आमतौर पर निचले पैर में पाया जाता है, हालांकि यह कभी-कभी निचला भुजाओं में भी होता है। जब यह पाया जाता है तो ऊर्जा की कमी की स्थिति को सही करना बहुत ही वांछनीय है और ऐसा करना आपके रोगी के लिए एक बड़ा योगदान होगा, खासकर यदि वह गंभीर बीमारियों से जूझ रहा है या उससे पीड़ित है।

14.2 ऊर्जा प्रवाह में गड़बड़ी : ऊर्जा प्रवाह में गड़बड़ी को भौतिक शरीर के भीतर और जीवन ऊर्जा के प्रवाह के पैटर्न में अनियमितता या व्यवधान की स्थिति से जोड़ा जाता है। यह कोई आवश्यक नहीं है कि शरीर के ऊपर आभा की परतों में मौजूद है अथवा शरीर ऊर्जा प्रणाली में है। आपके रोगी के शरीर मे ऊर्जा वास्तव मे (त्वचा के एक स्तर ऊपर) एक इंच के ऊपर, एक सामान्य स्वस्थ पैटर्न मे बहती है। यह ऊर्जा जो चैनलो के एक पैटर्न मे बहती है वह ऊर्जा ऊर्जावन और शारीरिक स्वास्थ्य पर निर्भर करती है। इस पैटर्न को एक्यूपंक्चर और विभिन्न मेरिडियन-आधारित ऊर्जा उपचारों में वर्णित किया गया है। रीढ़ की हड्डी के साथ केंद्रीय ऊर्जा चैनल इन चैनलों का सबसे बड़ा और सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है, लेकिन छोटे चैनलों की एक प्रणाली होती है जो शरीर के सभी अंगों और ऊतकों को ऊर्जा देती है। कभीभी शरीर में कई या अधिक चैनलों में ऊर्जा प्रवाह का पैटर्न अनियमित और असमान, जो आपके रोगी की विभिन्न गड़बड़ियों से अथवा अपने सामान्य, स्वस्थ पथों से पूरी तरह से बाधित हो जाने से होता है। प्रवाह में यह परेशानी अंततः शारीरिक रोगों और आपके रोगी के लिए अन्य अस्वास्थ्यकर नतीजों का परिणाम है। इस स्थिति में इलाज नहीं किया जाना चाहिए। यह ऊर्जा प्रवाह में एक वैश्विक बाधा है, जो शरीर के अधिकतर या सभी भागों में ऊर्जा के प्रवाह को प्रभावित करता है और किसी भी विशेष स्थान से जुड़ा नहीं है। ऊर्जा के प्रवाह की गड़बड़ी भी विशिष्ट क्षेत्रों में भी हो सकती है। ऊर्जा कुछ विशेष रास्ते से बाधित हो सकती है और इसे हटा सकती है। कुछ विशेष क्षेत्रों में ऊर्जा प्रवाह की इस अशांति स्थिति को ऊर्जा प्रवाह में स्थानीय रूप से अशांति कहा जाता है, जिससे यह जीवन ऊर्जा के प्रवाह में कुछ और अधिक सामान्य वैश्विक (या समग्र) अशांति ऊर्जा से भिन्न पाई जाती है। प्राणिक ऊर्जा प्रवाह में इन दोनों प्रकार की परेशानियों का एक ही तकनीक का उपयोग किया जाता है। अशांति का इलाज विश्व स्तर पर किया जाता है-पूरे शरीर में या अधिक विशेष रूप से, मार्गों के अनुसार जो बाधित हो गए हैं । जब ऊर्जा प्रवाह की गड़बड़ी महसूस होती है तो उन्हें ठीक किया जा सकता है और ऐसा करना आपके रोगी के ऊर्जावान स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है। यह शरीर के अंगों और ऊतकों में संभावित बीमारियों और बीमारियों को रोकने के लिए कार्य करता है।

समाप्त

अगला अंक 15 पढ़े...